RNI NO. PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

जागरूकता के लिए, था यह सेमीनार।
ऊंघ रहे थे लोग पर, अपने पैर पसार।
अपने पैर पसार, सिर्फ वक्ता थे जागे।
आधे वे भी अरे, सुनाकर भाषण भागे।
कह साहिल कविराय, बढ़ा ना बिल्कुल लेवल।
जागरूकता मिली, मगर सपनों में केवल।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 203 | SATURDAY DATE 15-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

HAPPY Independence Day

Suresh Munjal
satyam
auto components pvt. ltd.

Rajiv Garg
Swadesh PEOPLE'S FASHION
Garg Acrylic Ltd.

JR Singal
Eastman
Cast & Forge Ltd.

Ramesh Jagota
Youngman Blankets

Bikramjit Bambi
National Industries

Trilok Dhingra
VIRKA TEXTILES

Inder Mohan Jain
C. MOHAN INTERNATIONAL

Rajiv Gandhi
CREEK SIDE VILLAGE
THE LIFESTYLE DESTINATION

B.C. Nagpal
NAGPAL Exports
A GOVT. RECOGNIZED EXPORT HOUSE

Ashok Malhotra
amg
ashok malhotra group

Parinay Sood
BHAGAT RAM & SONS
ESTD. 1954

Upkar Singh Ahuja
NEW SWAN ENTERPRISES

Rakesh Kapoor
paramount impex

Karan Arora
SHARMAN JI VATIKA GROUP

An initiative by **U-TURN TIME MARKETING TEAM: 99882-20063**

प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण एवं 'एक पेड़ माँ के नाम' पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

निर्मल सिंह विर्क/पानीपत, यूटर्न/ 14 अगस्त । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र, उझा, पानीपत द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना (रउरढ) के अंतर्गत किसानों एवं किसान महिलाओं के लिए प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक किसानों एवं किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती की वैज्ञानिक तकनीकों से अवगत कराने के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, फसल विविधीकरण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, उझा के समन्वयक डॉ. सतपाल सिंह ने प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में मृदा स्वास्थ्य में लगातार गिरावट एक गंभीर चुनौती है। कई क्षेत्रों में मृदा में जैविक कार्बन का स्तर मध्यम से निम्न श्रेणी में पाया जा रहा है। इसलिए मृदा की उर्वरता एवं उत्पादकता बनाए रखने के लिए जैविक पदार्थों का समुचित उपयोग तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसानों को पानी, मिट्टी, ऊर्जा एवं अन्य कृषि संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करते हुए धान-गेहूं फसल प्रणाली पर निर्भरता कम कर फसल विविधीकरण की ओर बढ़ना चाहिए। इससे प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम करने के साथ-साथ किसानों की आय एवं कृषि प्रणाली की स्थिरता बढ़ाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम आयोजक डॉ. कुलदीप दूड़ी ने प्राकृतिक खेती के अंतर्गत वैज्ञानिक ढंग से गुणवत्तापूर्ण चारा उत्पादन पर विस्तार से जानकारी दी।

कई जिलों में ब्लैक लिस्टेड भारतीय कोऑपरेटिव ने कानपुर देहात में भी किया घोटाला, मुकदमा दर्ज

» सुनील बाजपेई

कानपुर, यूटर्न/ 14 अगस्त। उत्तराखंड और यूपी के 5 जिलों को कूट रचित दस्तावेजों और धोखाधड़ी जैसे हथकंडों से करोड़ों की चपत लगाने में सफल हुई ब्लैक लिस्टेड गैर सरकारी संस्था एन जी ओ ने कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की मिली भगत से कानपुर देहात को भी अपना शिकार बना लिया। उसने यहां भी विकास कार्यों के नाम पर 6 करोड़ 32 लाख से ज्यादा की विधायक निधि को चपत लगा दी, जिसके फल स्वरुप बख्शी का तालाब लखनऊ, अंबेडकर नगर, बस्ती, मिजार्पुर के बाद ब्लैकलिस्टेड गैर-सरकारी संस्था भारतीय कोऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड के मास्टरमाइंड बताए जाने वाले महाप्रबंधक पवन कुमार पांडे तथा प्रबंध निदेशक विजय कुमार गोयल व टीम के अन्य लोगों के खिलाफ कानपुर देहात के रुरा थाने में भी विभिन्न संगीन धाराओं में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई है। साथ ही सेंट्रल रजिस्ट्रार को भी इस ब्लैक लिस्टेड एन जी ओ

भारतीय कोऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड के रजिस्ट्रेशन निरस्त करने हेतु पत्र भेजा गया है। प्रभावी कार्यवाही की मांग को लेकर उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश शासन को भेजे गए शिकायत पत्र के मुताबिक संस्था उत्तर प्रदेश के कई जनपदों बस्ती, मिजार्पुर, कानपुर देहात, लखनऊ, अंबेडकर नगर आदि में पहले से ही ब्लैकलिस्टेड है। साथ ही बक्शी का तालाब (लखनऊ)' स्थित क्षेत्रीय ग्रामीण विकास संस्थान की महानिदेशक आई ए एस श्रीमती वीरा उपाध्याय द्वारा संस्था के फजीर्वाड़े का पदार्फाश करते हुए इसके विरुद्ध एफ आई आर भी दर्ज कराई जा चुकी है। सेंट्रल रजिस्ट्रार के स्पष्ट शासनादेश के बावजूद अपने नाम भारतीय कोऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड में गैर कानूनी तरीके से 'भारतीय' शब्द का भी प्रयोग करने वाली यह प्राइवेट संस्था संसदीय निधि व सोलर कार्य में भी घोटाले को लेकर चर्चा का विषय बनी हुई है। वह सोलर लाइट आदि कार्यों के लिए सेंट्रल रजिस्ट्रार से अधिकृत ही नहीं है। पहले से ही ब्लैक लिस्टेड इस संस्था द्वारा जनपद मिजार्पुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सांसद निधि में भी भारी घोटाला किया गया है, जिसके भी खिलाफ एफ आई आर पहले से ही दर्ज है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक भ्रष्ट अधिकारियों की मिली भगत से अब तक करोड़ों का घोटाले में सफल संस्था भारतीय कोऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड में कोई भी सरकारी अधिकारी ,लोक सेवक तैनात नहीं है।

हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से आयोजित तिरंगा यात्राओं के माध्यम से अमर शहीदों को किया जा रहा है नमन : डा. नरेंद्र सिंह

» कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 14 अगस्त ।

प्रमोद कौशिक 14 अगस्त : जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डा. नरेंद्र सिंह ने कहा कि शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राजगुरु राम प्रसाद बिस्मिल जैसे अनेकों महानायकों ने मां भारती की आजादी के लिए चले आंदोलन में अपने प्राणों का बलिदान देकर देश को आजाद कराया। इसलिए जिन स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान देकर हमें आजादी दी है, उन्हें याद करना हम सभी का दायित्व बनता है। तिरंगा यात्राओं के माध्यम से हमें अपने शहीदों को नमन करने का मौका मिल रहा है। डीआईपीआरओ डा. नरेंद्र सिंह द्रोणाचार्य स्टेडियम परिसर में खेल विभाग की तरफ से हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित तिरंगा यात्रा को हरी झंडी देने से पहले खिलाडियों को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले डीआईपीआरओ डा. नरेंद्र सिंह व जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार ने हरी झंडी देकर रवाना किया। यह तिरंगा यात्रा द्रोणाचार्य स्टेडियम से शुरू होकर सेक्टर-2 चौक पर समाप्त हुई। डीआईपीआरओ डा. नरेंद्र सिंह ने कहा कि तिरंगा देश की आन-बान-शान और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश के वीर शहीदों को नमन करने तथा युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का संदेश मिलता है। स्वतंत्रता सेनानियों और वीर जवानों के बलिदान, उनके त्याग को सदैव याद रखते हुए देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को मजबूत करने में हमें सदैव अपना योगदान देना चाहिए। जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि तिरंगा यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान, समर्पण और जिम्मेदारी की भावना को जागृत करने का माध्यम है। हर देशवासी को हर घर तिरंगा अभियान के तहत अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराने और राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं गौरव को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। इस तिरंगा यात्रा में साई के खिलाडियों ने हाथों में तिरंगा लेकर अपनी सहभागिता की। हाथों में लहराते तिरंगे व देशभक्ति के नारों के बीच पूरे मार्ग पर उत्साह एवं उमंग का माहौल बना रहा।

कुरुक्षेत्र में 15 अगस्त को पूज्य ज्ञानेश्वरदास स्वामी के सान्निध्य में सत्संग

» अश्विनी वालिया

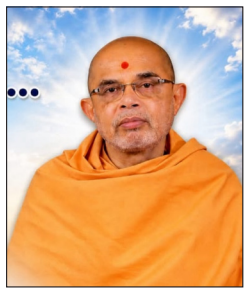

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 14 अगस्त । धर्मनगरी कुरुक्षेत्र स्थित BAPS स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर में 15 अगस्त, शनिवार को विशेष सत्संग का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में BAPS सारंगपुर मंदिर के मुख्य कार्यकारी संत पूज्य ज्ञानेश्वरदास स्वामी के सान्निध्य में श्रद्धालुओं को सत्संग एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कार्यक्रम के अनुसार सत्संग का आयोजन शाम 6:30 बजे से BAPS स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर, कुरुक्षेत्र में किया जाएगा। आयोजकों ने सभी हरि भक्तों से अपने परिवार सहित कार्यक्रम में पहुंचकर संत के दर्शन एवं सत्संग का लाभ लेने का आ'ान किया है। BAPS स्वामिनारायण संस्था आध्यात्मिक साधना, सेवा, संस्कार और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने वाली स्वयंसेवी संस्था के रूप में कार्य करती है। आयोजकों के अनुसार संत के सान्निध्य में होने वाला यह सत्संग श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक प्रेरणा एवं शांति का अवसर होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हरि भक्तों के पहुंचने की संभावना है।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नहर कोठी में मनाया हरियाली तीज उत्सव

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 14 अगस्त । राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नहर कोठी बरवाला में बालिका मंच की संचालिका सुमन सलूजा एवं विद्यालय की महिला टीम के संयुक्त तत्वावधान में हरियाली तीज का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने तीज पर्व से जुड़ी गतिविधियों में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और पर्व की खुशियां साझा कीं।

विद्यालय के प्रिंसिपल मनोज गुप्ता ने कहा कि हरियाली तीज भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व आपसी एकता प्रेम, सद्भावना और सहयोग का संदेश देता है। ऐसे आयोजनों से छात्राओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं लोक परंपराओं की जानकारी मिल सके। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का वातावरण उत्साह और उमंग से भर गया।

कार्यक्रम में चांदनी महता, पिंकी, रेणु, किरण सरदाना, मोना, सुमन पंघाल, पूजा, विमला, संतोष, रोशनी, बुनियाद की टीचर सोनिका, पूनम तथा विद्यालय की महिला टीम की सदस्य मौजूद रहीं।

खड़गे के अपमान और भाजपा-आरएसएस की छुआछूत की मानसिकता के खिलाफ देशभर में भारी आक्रोश: लाल बहादुर खोवाल

» हरियाणा, यूटर्न/ 14 अगस्त ।

उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संबोधन के बाद रामलीला मैदान के मंच का कथित 'शुद्धिकरण' किए जाने के मामले ने राजनीतिक और सामाजिक तूल पकड़ लिया है। इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट हरियाणा के पदाधिकारियों ने इसे भारतीय संविधान, सामाजिक समरसता और पूरे दलित समाज के सम्मान का गंभीर अपमान करार दिया है।कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के स्टेट चेयरमैन एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एडवोकेट चंद्रहर्ष पोली, स्टेट मीडिया कॉर्डिनेटर एडवोकेट बजरंग इंदल एवं जगदीश बिश्नोई ने संयुक्त बयान जारी कर इस कृत्य की तीखी भर्त्सना की।एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने कहा कि आरएसएस और भाजपा से जुड़ी छुआछूत की मानसिकता के खिलाफ देशभर में भारी आक्रोश है और विशेष रूप से अनुसूचित जाति समाज खुद को

अपमानित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जैसे वरिष्ठ राष्ट्रीय नेता के संबोधन के बाद मंच के कथित शुद्धिकरण की घटना बेहद शर्मनाक है और यह सवाल खड़ा करती है कि आजादी के दशकों बाद भी समाज को जाति और 'शुद्ध-अशुद्ध' की सोच में क्यों धकेला जा रहा है।खोवाल ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा लगातार उठाए जा रहे सामाजिक न्याय, जातिगत भेदभाव और संविधान की रक्षा के मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने देश के सामने स्पष्ट किया है कि सामाजिक न्याय और समानता के बिना लोकतंत्र अधूरा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई किसी जाति या धर्म के खिलाफ नहीं बल्कि हर प्रकार के भेदभाव और असमानता के खिलाफ है। एडवोकेट खोवाल ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद कुमारी सैलजा के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि देश में सनातन का अर्थ आरएसएस और भाजपा नहीं है। भारत की सनातन परंपरा को किसी राजनीतिक संगठन की संकीर्ण विचारधारा से जोड़ना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि आरएसएस की संकीर्ण जातिवादी मानसिकता से देश को नफरत है और संविधान ने प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार तथा सम्मान दिया है।खोवाल ने कहा कि कुमारी सैलजा ने सही सवाल उठाया है कि यदि भाजपा ऐसी गतिविधियों का समर्थन नहीं करती तो फिर इस मामले में अब तक स्पष्ट कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो और यदि किसी व्यक्ति अथवा संगठन ने कानून का उल्लंघन किया है तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करके सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।खोवाल ने कहा कि कांग्रेस ने देश को आधुनिक विज्ञान, शिक्षा, तकनीक और विकास की राह पर आगे बढ़ाया है।

RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

मलाइका अरोड़ा फिरसुर्खियोंमें

पेज 07

VOL: 03 | ISSUE 203 | SATURDAY DATE 15-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

चमोली टनल हादसे में फंसे 14 मजदूरों को बचाया, 13 भर्ती, धामी हाल देखने टनल के अंदर गए

चमोली, यूटर्न/ 14 अगस्त । उत्तराखंड के चमोली जिले के पीपलकोटी में निमार्णाधीन टनल में हुए हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 3 लोग अभी भी टनल के अंदर फंसे हुए हैं। बचाव दल ने 14 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। इनमें 13 घायलों का गोपेश्वर जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि एक गंभीर घायल को बेहतर उपचार के लिए श्रीनगर के हायर सेंटर रेफर किया गया है। हादसा गुरुवार 13 अगस्त की शाम करीब 7 बजे पीपलकोटी के मायापुर में निमार्णाधीन टनल में हुआ।

जेपी नड्डा की बिगड़ी तबीयत, एम्स दिल्ली में भर्ती

नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 अगस्त । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को बेचैनी महसूस होने के बाद गुरुवार शाम को दिल्ली स्थित एम्स में भर्ती कराया गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, नड्डा की आवश्यक चिकित्सकीय जांच की गई,

जिसमें कोरोनरी एंजियोग्राफी समेत कई परीक्षण शामिल हैं। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को बेचैनी की शिकायत के बाद तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांचों के बाद एम्स के कार्डियोलॉजी विभाग में विशेष निगरानी में रखा गया है।

ड्रग तस्करी के सरगना और भगोड़े वीरेंद्र सिंह बसोया को यूएई से लाया गया भारतः शाह

नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 अगस्त गृहमंत्री अमित शाह ने जानकारी दी है कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर वीरेंद्र सिंह बसोया को यूएई से भारत वापस लाने में सफलता मिली है। गृहमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'केंद्र सरकार विदेशों में छिपे ड्रग तस्करों का लगातार पता लगा रही है और सख्त रवैया अपनाते हुए उनके पूरे नेटवर्क को खत्म कर रही है। नशीले पदार्थों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति में एक नया मील का पत्थर स्थापित करते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने ड्रग तस्करी

के सरगना और भगोड़े वीरेंद्र सिंह बसोया को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से वापस लाने में सफलता हासिल की है। हमारी एजेंसियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि ड्रग तस्कर चाहे कहीं भी छिप जाएं, वे भारतीय कानून की पकड़ से बच नहीं सकते।' दिल्ली में 5600 करोड़ रुपए के ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़ करने के बाद अक्टूबर 2025 में पुलिस ने मास्टरमाइंड वीरेंद्र बसोया के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया था। बसोया विदेश में बैठकर ड्रग्स का कारोबार चला रहा था।

दिल्ली पुलिस ने महिपालपुर में एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी गैंग का भंडाफोड़ करते हुए 562 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना की खेप पकड़ी थी। जांच के दौरान पता चला कि कोकीन की खेप बसोया ने ही भिजवाई थी। इस मामले में एक अन्य आरोपी तुषार गोयल को गिरफ्तार किया गया था, जो बसोया का करीबी बताया जा रहा है।

पुणे पुलिस ने 2023 में 3000 करोड़ रुपए की ड्रग्स पकड़ी थी, तब भी बसोया का नाम सामने आया था। 2024 में दिल्ली में पकड़े गए 13 हजार करोड़ रुपए के ड्रग्स मामले में इंटरनेशनल ड्रग तस्कर वीरेंद्र बसोया के बेटे ऋषभ बसोया के खिलाफ भी नवंबर 2025 में रेड कॉर्नर नोटिस जारी हुआ था। ऋषभ दिल्ली के पिलनजी गांव का रहने वाला है। पुलिस ने दावा किया कि ये ड्रग्स विदेश में बैठे वीरेंद्र बसोया ने भेजी थी। दिल्ली पुलिस ने पंजाब के अजनाला से एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। उसकी एसयूवी गाड़ी से भी ड्रग्स मिली। पुलिस जांच में सामने आया कि यह गाड़ी वीरेंद्र बसोया के बेटे ऋषभ की थी, जिसने वो जस्सी को दी थी।

सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- 'स्वदेशी अब आत्मनिर्भर भारत का आत्मविश्वास, व्यापारियों के साथ खड़ी है दिल्ली सरकार'

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 अगस्त ।**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शुक्रवार को भारत मंडपम में आयोजित भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 में सम्मिलित हुई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'स्वदेशी' आज आत्मनिर्भर भारत का आत्मविश्वास बन चुका है। दिल्ली सरकार व्यापारी, उद्यमी और एमएसएमई के परिश्रम के साथ मजबूती से खड़ी है।

भारतीय व्यापार महोत्सव के मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'मैं अपनी ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।

आज देशभर के लाखों व्यापारियों को जो यह मंच मिला है, जहां 'वोकल फॉर लोकल' के जरिए हम अपने स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक ले जाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं।'

रेखा गुप्ता ने कहा, 'देश आगे बढ़े और अपने व्यापार के माध्यम से भारत की प्रतिष्ठा पूरे विश्व में जाए, व्यापार महोत्सव ने इस काम को करने किया। मेरी ओर से ढेर सारी बधाई। मैं सभी व्यापारी भाई और बहनों की कहना चाहती हूं कि आपकी ये मेहनत देश का गौरव बढ़ाने में काम आएगी।'

वहीं, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'स्वदेशी' आज आत्मनिर्भर भारत का आत्मविश्वास बन चुका है। हमारे व्यापारी, उद्यमी और एमएसएमई केवल कारोबार नहीं बढ़ा रहे, वे परिवारों की खुशहाली, युवाओं के रोजगार और भारत की आर्थिक शक्ति को मजबूत कर रहे हैं।'

उन्होंने लिखा, 'दिल्ली सरकार भी उनके इस परिश्रम के साथ मजबूती से खड़ी है। सिंगल विंडो सिस्टम, सेल्फ-सर्टिफिकेशन और डीम्ड अप्रूवल जैसे सुधारों के जरिए पुरानी जटिल मंजूरी व्यवस्था को सरल बनाया जा रहा है, ताकि व्यापारी का समय दफ्तरों के चक्कर में नहीं, अपने कारोबार और सपनों को आगे बढ़ाने में लगे।'

इस कार्यक्रम में सांसद प्रवीण खंडेलवाल, अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और अन्य लोग उपस्थित रहे।

सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने व्यापारियों से अनुरोध करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन 'भारतीय सामान ही खरीदें और भारतीय सामान ही बेचें' के आधार पर भारतीय व्यापार महोत्सव की रचना की गई है। यह कार्यक्रम अपनी तरह का और अब तक का सबसे बड़ा एक्सपो है। यहां 700 से अधिक स्टॉल लगे हैं, जो सिर्फ भारतीय सामान को ही बेचते हैं। इस दृष्टि से यह सिर्फ प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों का भारत है।'

इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड ने नागरिक बाजार के लिए स्वदेशी उच्च-रिजॉल्यूशन वाली 'गरुड़' दूरबीन लॉन्च की

नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 अगस्त । रक्षा उत्पादन विभाग के तहत एक मिनी रत्न रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम 'इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड' ने नागरिक बाजार के लिए स्वदेशी 'गरुड़' हाई-रिजॉल्यूशन दूरबीन लॉन्च की है। आयुध निमार्णी देहरादून द्वारा विकसित यह उत्पाद 'आत्मनिर्भर भारत' की भावना का प्रतीक है, जो रक्षा-ग्रेड की विशेषज्ञता को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ता है। नई दिल्ली स्थित डीपीएयू भवन में रक्षा और अन्य मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इसे लॉन्च किया गया। यह दूरबीन 8७ आवर्धन और 7.6-डिग्री के विस्तृत फील्ड ऑफ व्यू के साथ आती है, जो लंबी दूरी के स्पष्ट अवलोकन में मदद करती है। इसका वजन लगभग 610 ग्राम है और मौसम के अनुकूल इसका निर्माण इसे बाहरी गतिविधियों के लिए बेहद उपयोगी बनाता है। बर्डवॉचिंग, वन्यजीव अवलोकन, प्रकृति की खोज, यात्रा और सुरक्षा से जुड़े कार्यों के लिए यह विशेष रूप से उपयुक्त है। आईओएल का यह कदम नागरिक प्रकाशिकी बाजार में उसकी पहली प्रविष्टि है। इसके जरिए अब देश के आम नागरिकों और बाहरी गतिविधियों के प्रेमियों को भी भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा उपयोग की जाने वाली भरोसेमंद और सटीक रक्षा-ऑप्टिकल तकनीक का अनुभव मिल सकेगा।

नासिक पुलिस ने जाली नोट गिरोह का भंडाफोड़ किया, पांच गिरफ्तार

नासिक, यूटर्न/ 14 अगस्त । महाराष्ट्र के नासिक जिले के त्र्यंबकेश्वर में बड़े नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जिसमें पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। गुप्त सूचना के आधार पर, पुलिस ने त्र्यंबकेश्वर तहसील के तालेगांव शिवर स्थित एक बंगले पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान, पुलिस को नोटों के आकार में काटे गए कागजों के बंडल, विभिन्न रसायन और नकली नोट छापने में उपयोग होने वाली अन्य सामग्री भारी मात्रा में मिली। इसके साथ ही, पुलिस ने 500 रुपये के 1,950 असली नोटों सहित कुल 9.75 लाख रुपये की नकदी भी बरामद की। अमरेश्वर सुधाकर आइठ्ठा, दासरी प्रसाद सत्यई, गोकुल आनंद राव डेट, हिरामण पुंजा डेट और मच्छिंद्र भगवान घनदट को नकली नोटों की छपाई में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी मुख्य रूप से 500 रुपये के जाली नोट बना रहे थे। त्र्यंबकेश्वर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अगर मोदी पीएम होते, तब 1947 में भारत का विभाजन नहीं होता : योगी

योगी ने विभाजन के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार माना

» **लखनऊ, यूटर्न/ 14 अगस्त ।**

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिद्धार्थनगर में कार्यक्रम के दौरान बड़ा बयान देकर कहा कि यदि 1947 में भारत के विभाजन के समय नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री होते, तब देश का बंटवारा नहीं होता और कोई भी भारत को नुकसान नहीं पहुंचा पाता। उन्होंने देश को इतिहास के काले अध्यायों से सबक सीखने की भी अपील की ताकि ऐसी त्रासदियों की पुनरावृत्ति न हो सके।

सिद्धार्थनगर में विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के मौके पर सीएम योगी ने कहा कि विभाजन के दौरान लाखों हिंदुओं का नरसंहार हुआ, और तब सत्ता में बैठे लोगों ने सनातन राष्ट्र के टुकड़े कर दिए।

उन्होंने सवाल उठाया कि यह समस्या क्यों उत्पन्न हुई, इसके लिए कौन जिम्मेदार था और दोषियों को सजा क्यों नहीं मिली। मुख्यमंत्री ने बंटवारे के समय के इलाकों के आवंटन पर कहा कि जिन क्षेत्रों की मांग पाकिस्तान समर्थकों ने भी नहीं की थी, उन्हें जबरदस्ती पाकिस्तान को सौंपा गया।

अरुणाचल में चीन द्वारा पेट्रोलिंग रोकने का दावा चिंताजनक, मोदी सरकार की चुप्पी और खतरनाक : राहुल गांधी

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 14 अगस्त ।**

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ सीमावर्ती इलाकों में भारतीय सेना को गश्त (पेट्रोलिंग) करने से रोक दिया है। उन्होंने इस स्थिति को बेहद चिंताजनक करार देते हुए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए श्री गांधी ने दावा किया कि अरुणाचल प्रदेश में कई जगहों पर चीन ने भारतीय सेना को पेट्रोलिंग करने से रोक दिया है। उन्होंने इसे बेहद चिंताजनक स्थिति बताया। कांग्रेस नेता ने कहा कि इससे भी अधिक चिंताजनक बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मामले पर चुप्पी साधी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार चीन को रोकने के बजाय इस खबर को रोकने के लिए मीडिया पर दबाव बना रही है। नेता प्रतिपक्ष ने गलवान घाटी की घटना के बाद प्रधानमंत्री मोदी के उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन ने भारत की जमीन का एक इंच भी नहीं लिया। श्री गांधी ने आरोप लगाया कि उस बयान से देश को भारी नुकसान हुआ था। उन्होंने कहा कि आज भी प्रधानमंत्री की छवि बचाने का वही 'ऑपरेशन' जारी है।

दिल्ली 2047 मास्टर प्लान: एक ऐसे शहर का प्लान जिसके नेता शायद तब राजनीति में नहीं होंगे

संदीप शर्मा

दिल्ली को आखिरकार 2047 के लिए एक ब्लूप्रिंट मिल गया है – यह साल इतना दूर है कि इससे एक फायदा मिल सकता है: आज इसे मंजूरी देने वाले ज्यादातर नेता शायद तब मौजूद न हों जब कोई पूछेगा कि ऐसा क्यों नहीं हुआ। दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी ने दिल्ली 2047 के लिए मास्टर प्लान को मंजूरी दे दी है। यह एक बड़ा डॉक्यूमेंट है जो अगले दो दशकों में राजधानी के हाउसिंग, ट्रांसपोर्ट, रीडेवलपमेंट और पर्यावरण के माहौल को बदलने का वादा करता है। अब इसे केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय से मंजूरी का इंतजार है। इसके आंकड़े काफी बड़े हैं। 2047 तक दिल्ली को लगभग 40 लाख और घरों की जरूरत हो सकती है। प्लान में छोटे हाउसिंग यूनिट, किराए के घर, मौजूदा कॉलोनियों का रीडेवलपमेंट, लैंड पूलिंग और ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के आस-पास डेवलपमेंट का सुझाव दिया गया है। ट्रांजिट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट और लैंड पूलिंग के जरिए लाखों नए हाउसिंग यूनिट बनाने, बिल्डिंग मंजूरी को आसान बनाने और कई गांवों में डेवलपमेंट के मौके खोलने की भी बात हो रही है। दूसरे शब्दों में, दिल्ली को 2047 तक एक बिल्कुल अलग शहर बनाने का वादा किया जा रहा है। हालांकि, डेडलाइन के साथ एक छोटी सी समस्या है। 2047 आने में 21 साल बाकी हैं। जिन नेताओं से यह पूछा जाएगा कि वादा किए गए 40 लाख घर क्यों नहीं बने, पब्लिक ट्रांसपोर्ट कंस्ट्रक्शन के साथ क्यों नहीं बढ़ा, रीडेवलपमेंट क्यों रुका या यमुना की हालत क्यों खराब रही, वे शायद ही आज प्लान को मंजूरी देने वाले नेता हों। इससे मास्टर प्लान एक बहुत ही आरामदायक पॉलिटिकल डॉक्यूमेंट बन जाता है। इसके वादे आज के हैं; इसकी जवाबदेही भविष्य की है। प्लान में यमुना के बाढ़ वाले इलाके (फ्लडप्लेन) पर भी ध्यान दिया गया है। इसमें मुख्य फ्लडप्लेन, जहां कंक्रीट के स्ट्रक्चर की इजाजत नहीं होगी, और दूसरे इलाकों, जहां कुछ मनोरंजन सुविधाओं की इजाजत दी जा सकती है, के बीच अंतर करने का सुझाव दिया गया है। यह प्रस्ताव राजनीतिक और पर्यावरणीय रूप से विवादित हो सकता है।

लेकिन फिर भी, समय है – 21 साल का: तब तक, आज के मंत्री रिटायर हो सकते हैं, आज के विपक्ष के नेता भुला दिए जा सकते हैं, और आज की राजनीतिक पार्टियां कई बार बदल सकती हैं। आज लिए जा रहे फैसलों के लिए कौन ज़िम्मेदार था, इस पर बिल्कुल नए तर्क भी हो सकते हैं। मास्टर प्लान का भारतीय राजनीति के साथ हमेशा से एक अजीब रिश्ता रहा है। ये योजनाएँ दशकों के हिसाब से बनती हैं, जबकि सरकारें चुनाव के चक्र को ध्यान में रखकर सोचती हैं। इसलिए, दिल्ली के 2047 प्लान में एक तरह का 'बचाव का रास्ता' (escape clause) पहले से ही शामिल है: अगर यह सफल होता है, तो इसे मंजूरी देने वाले लोग इसका श्रेय ले सकते हैं; अगर यह फेल होता है, तो इसके लिए जवाबदेह कोई और राजनेता होंगे।

जिस शहर ने मास्टर प्लान, बदलाव, रेगुलराइजेशन और वादों को आते-जाते देखा हो, वहाँ MPD 2047 की सबसे भविष्यवादी (futuristic) बात शायद इसका हाउसिंग मॉडल या यमुना के लिए इसका विजन नहीं है। इसकी सबसे खास बात इसका जवाबदेही मॉडल है। 2047 तक, आज इसे लागू करने के लिए ज़िम्मेदार सभी लोगों के पास शायद वह एक चीज आ जाएगी जो कोई मास्टर प्लान नहीं दे सकता: पल्ला झाड़ने का मौका।

79वां स्वतंत्रता दिवस: किस दिशा में जा रहा है हमारा लोकतंत्र

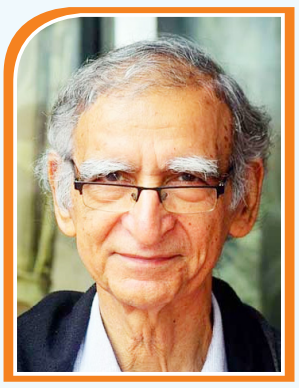

औद्योगिकरण, संचार साधनों के विकास और आधुनिक शिक्षा के चलते सशक्त हुए नए उभरते वर्गों ने एक ऐसे देश का सपना देखा जिसमें समावेशी राष्ट्रवाद के रास्ते शांति एवं उन्नति सुनिश्चित होगी। मौटे तौर पर देश का वर्गीय विभाजन यही था, हालांकि इसके कुछ अपवाद भी थे। आधुनिक भारत की पक्षधर इन ताकतों के विरोध में खड़े थे समाज के अस्त होते वर्ग, जिनमें शामिल थे पुराने राजा, नवाब और जागीरदार और समाज का प्रभुत्वशाली तबका जो जाति एवं लिंग पर आधारित ऊंच-नीच के सामंती मूल्यों में आस्था रखता था। इन वर्गों में पितृसत्तात्मकता जड़ें जमाए हुए थी और वे राजशाही और सामंतशाही के मूल्यों के बोलबाले वाले दौर का यशोगान करते थे।

राम पुनियानी

भारत की स्वतंत्रता हमारे लोगों के ब्रिटिश-विरोधी जनसंघर्ष की बहुत बड़ी सफलता थी। आजादी की लड़ाई में सभी धर्मों, जातियों और लिंगों के लोगों और विभिन्न भाषा-भाषियों ने भाग लिया। इस संघर्ष में स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय के मूल्य हमारे मार्गदर्शक थे। भगत सिंह जैसे लोगों ने जाति और वर्ग की सीमाओं के परे सभी लोगों के अधिकारों और आजादियों पर जोर दिया। अम्बेडकर ने जाति और वर्ण की दीवारें तोड़ने और सभी लोगों की समानता (सामाजिक न्याय) को सर्वाधिक महत्व दिया। और गांधी, जो संघर्ष के सबसे महत्वपूर्ण नेता थे, का जोर बंधुत्व पर था। नए उभरते वर्गों - उद्योगपति, व्यापारी, कामगार, महिलाओं और आदिवासियों - ने इन नेताओं का साथ दिया। ये तीन महानायक आधुनिक राज्य के तीन मुख्य स्तंभों का प्रतिनिधित्व करते थे और उन्होंने स्वाधीन भारत को गहरे तक प्रभावित किया। स्वतंत्रता आंदोलन के यही मूल्य भारतीय संविधान का आधार हैं। औद्योगिकरण, संचार साधनों के विकास और आधुनिक शिक्षा के चलते सशक्त हुए नए उभरते वर्गों ने एक ऐसे देश का सपना देखा जिसमें समावेशी राष्ट्रवाद के रास्ते शांति एवं उन्नति सुनिश्चित होगी। मौटे तौर पर देश का वर्गीय विभाजन यही था, हालांकि इसके कुछ अपवाद भी थे। आधुनिक भारत की पक्षधर इन ताकतों के विरोध में खड़े थे समाज के अस्त होते वर्ग, जिनमें शामिल थे पुराने राजा, नवाब और जागीरदार और समाज का प्रभुत्वशाली तबका जो जाति एवं लिंग पर आधारित ऊंच-नीच के सामंती मूल्यों में आस्था रखता था। इन वर्गों में पितृसत्तात्मकता जड़ें जमाए हुए थी और वे राजशाही और सामंतशाही के मूल्यों के बोलबाले वाले दौर का यशोगान करते थे। इन वर्गों के ज्यादातर लोगों ने स्वतंत्रता आंदोलन का विरोध किया और भारत के प्राचीन ''गौरवशाली अतीत'' का महिमामंडन करते रहे। उन्होंने आगे बढ़ते हुए भी पीछे जाने की तरकीबें निकाली। ये तरकीबें जमींदारों, राजाओं आदि के जरिए आईं। वे कामगारों, दलितों, महिलाओं और आदिवासियों को आवाज मिलने से भयभीत थे। वे अपने-अपने धर्मों के शासकों और उनके काल के सामाजिक मूल्यों को सर्वश्रेष्ठ बताते थे। मुस्लिम लीग को मुख्यतः नवाबों और जमींदारों का साथ हासिल था जबकि हिन्दू महासभा-आरएसएस को राजाओं, जमींदारों और पुरोहित वर्गों का समर्थन मिल रहा था। ये दोनों वर्ग लोकतांत्रिक समाज के उभरते हुए मूल्यों, सभी की आधुनिक शिक्षा तक पहुंच और अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष के विरोधी थे। ये वर्ग धर्म को राष्ट्र का आधार मानते थे, जिसे सावरकर ने अपनी पुस्तक ''हिन्दुत्व ऑर हू इज अ हिन्दू'' में स्पष्ट शब्दों में अभिव्यक्त किया है। ये दोनों प्रवृत्तियां राष्ट्रीय आंदोलन के ब्रिटिश-विरोधी संघर्ष के खिलाफ थीं, जो बहुत दुखद था। धर्म के आधार पर देश का बंटवारा भारतीय राष्ट्रवाद पर सबसे बड़ा आघात था। संविधानसभा देश की विविधता का प्रतिनिधित्व करती थी। मनुस्मृति का दहन करने वाले अम्बेडकर को संविधान का मसौदा तैयार करने वाली महत्वपूर्ण समिति का अध्यक्ष बनाया गया। संविधान के तैयार होने के कुछ ही समय बाद आरएसएस के मुखपत्र 'आर्गनाईजर' ने इस आधार पर संविधान की तीखी आलोचना की कि उसमें मनुस्मृति के प्राचीन मूल्यों को कोई जगह नहीं दी गई है। इन तत्वों ने अंबेडकर और नेहरू की तस्वीरों को जलाया। स्वतंत्र भारत को गांधीजी के दो पक्के चेलों - नेहरू और पटेल - का नेतृत्व मिला। जहां पटेल ने अधिकांश राजे-रजवाड़ों का भारत में सफलतापूर्वक विलय करवाया वहीं नेहरू ने संविधान के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करते हुए आधुनिक भारत के स्वप्न को साकार करने हेतु बनाई गई योजनाओं को अमली जामा पहनाया। 'एक व्यक्ति एक मत' के सिद्धांत पर सफलतापूर्वक अमल किया गया और नेहरू की लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता, जो एक तरह से जुड़वां हैं, के प्रति गहन आस्था के चलते देश में लोकतंत्र की जड़ें गहराई तक जम गईं।

नेहरू के आधुनिक शिक्षा (आईआईटी, आईआईएम, एम्स आदि), सार्वजनिक क्षेत्र और सिंचाई के साधनों के निर्माण पर जोर और आरक्षण की नीति पर अमल से एक हद तक समानता कायम हुई।

कुछ दशकों पहले भारत और पाकिस्तान की स्थिति की तुलना करने वाले कुछ टिप्पणीकारों का कहना था कि शिक्षा, औद्योगिकरण आदि के क्षेत्रों में भारत की सफलताओं और पाकिस्तान की असफलता के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन इसकी एक मुख्य वजह यह थी कि भारत को जवाहरलाल नेहरू का नेतृत्व हासिल था।

चिंतन-मनन : निष्ठा और सत्य

निष्ठा अविभाजित मन, अविभाजित चेतना का स्वभाव है। ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। आत्मा में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। जिसमें भी तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की कोशिश न करो। बच्चे को मां में विश्वास है। बच्चा मां को जानने का प्रयत्न नहीं करता, उसे केवल मां में विश्वास है। जब तुममें निष्ठा है, जानने की क्या आवश्यकता है? यदि तुम प्रेम को जानने का विषय बनाते हो, प्रेम लुप्त हो जाता है। ईश्वर, प्रेम, आत्मा और निद्रा समझ के परे हैं। यदि तुम केवल विश्लेषण करते हो, संशय उत्पन्न होता है और निष्ठा खत्म होती है। जिसमें तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की या विश्लेषण करने की चेष्टा न करो। विश्लेषण दूरी पैदा करता है, संश्लेषण (संकलन) जोड़ता है। निष्ठा संकलन है, जानना विभाजन। निष्ठा और विश्वास में फर्क है, विश्वास हल्का होता है, निष्ठा ठोस, अधिक सबल। हमारे विश्वास बदल सकते हैं मगर निष्ठा अटल होती है। निष्ठा के बिना चेतना नहीं। यह दिये की लौ के समान है। निष्ठा है चेतना की शान्त, स्थायी प्रकृति। निष्ठा चेतना का स्वभाव है।

सत्य वह है जो बदलता नहीं। अपने जीवन को देखो और पहचानो कि वह सब जो बदल रहा है, सत्य नहीं। इस दृष्टि से देखने पर तुम पाओगे कि तुम केवल असत्य से घिरे हुए हो। असत्य को पहचानने पर तुम उससे मुक्त होते हो। जब तक तुम असत्य को पहचानोगे नहीं, उससे मुक्त नहीं हो सकते। स्वयं के जीवन के अनुभव तुम्हें तुम्हारे असत्यों की पहचान कराते हैं। जैसे-जैसे जीवन में परिपक्वता आती है, तुम पाते हो कि सभी कुछ असत्य है- घटनाएं, परिस्थितियां, लोग, भावनाएं, विचार, मत-धारणाएं, तुम्हारा शरीर-सभी असत्य है। और तभी सच्चे अर्थ में सत्संग (सत्य का संग) होता है। मां के लिए बच्चा तब तक असत्य नहीं है जब तक बालिग नहीं हो जाता। बच्चे के लिए मिठास असत्य नहीं और किशोर के लिए सैक्स असत्य नहीं।

स्वतंत्रता का दिवस सुहाना, विकृतियों से मुक्त बने भारत

कांतिलाल मांडोत

पन्द्रह अगस्त केवल ध्वजारोहण करने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को स्मरण करने का दिन नहीं है। यह आत्ममंथन का अवसर भी है कि जिस स्वतंत्रता के लिए असंख्य देशभक्तों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर किया, उस स्वतंत्रता को हमने कितना सार्थक बनाया है और विकसित भारत के निर्माण के लिए हमें अभी कितना आगे जाना है। वर्ष 1947 में देश राजनीतिक पराधीनता से मुक्त हुआ था, लेकिन स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब भारत सामाजिक विकृतियों, आर्थिक विषमता, अशिक्षा, भ्रष्टाचार, जातिवाद, संकीर्णता, बेरोजगारी, हिंसा और नैतिक पतन जैसी चुनौतियों से भी मुक्त हो।

गुलामी की पीड़ा को वही समझ सकता है जिसने पराधीनता का जीवन देखा हो। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने केवल सत्ता परिवर्तन के लिए संघर्ष नहीं किया था। उनके सामने एक ऐसे भारत का सपना था, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति सम्मान के साथ जीवन जी सके, न्याय सबको मिले, अवसर सबके लिए उपलब्ध हों और राष्ट्र अपनी पहचान तथा आत्मसम्मान के साथ विश्व में खड़ा हो। इसलिए स्वतंत्रता दिवस पर हमें केवल अतीत का गौरवगान नहीं करना चाहिए, बल्कि वर्तमान की उपलब्धियों और कमियों का निष्पक्ष मूल्यांकन भी करना चाहिए।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने अनेक क्षेत्रों में ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन पर प्रत्येक भारतीय को गर्व होना चाहिए। जिस देश को आजादी के समय गरीबी, अशिक्षा, खाद्यान्न संकट, कमजोर औद्योगिक आधार और सीमित संसाधनों जैसी अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, वही भारत आज विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। कृषि के क्षेत्र में हरित क्रांति ने देश को खाद्यान्न के लिए बाहरी निर्भरता से बाहर निकाला। सिंचाई, उर्वरक, कृषि अनुसंधान और आधुनिक तकनीक ने भारतीय कृषि को नई शक्ति दी। आज भारत कृषि उत्पादन के साथ-साथ डेयरी, मत्स्य और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

औद्योगिक विकास ने भी स्वतंत्र भारत की तस्वीर बदली है। आज देश में इस्पात, ऑटोमोबाइल, दवा, इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, ऊर्जा, रक्षा उत्पादन और अनेक आधुनिक उद्योगों का व्यापक विस्तार हुआ है। बड़े-बड़े बांध, बिजली परियोजनाएं, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे नेटवर्क, बंदरगाह, हवाई अड्डे और महानगरों की आधुनिक परिवहन व्यवस्था देश की विकास यात्रा के प्रमाण हैं। कभी जिन वस्तुओं और तकनीकों के लिए भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता था, उनमें से अनेक का निर्माण आज देश में हो रहा है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा तो स्वतंत्रता के बाद की सबसे प्रेरणादायक उपलब्धियों में से एक है। सीमित संसाधनों के साथ शुरू हुआ भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम आज उपग्रह प्रक्षेपण, दूरसंचार, मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन, कृषि निगरानी और वैज्ञानिक अनुसंधान से लेकर चंद्रमा तथा मंगल तक पहुंच चुका है। चंद्रयान अभियानों ने भारत की वैज्ञानिक क्षमता को विश्व के सामने स्थापित किया। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग ने भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा का नया परिचय दिया। आदित्य-एल1 जैसे मिशन भारत की बढ़ती अंतरिक्ष क्षमता का प्रमाण हैं। अब भारत केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश नहीं है, बल्कि अंतरिक्ष विज्ञान में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाला राष्ट्र है। विज्ञान और तकनीक के साथ डिजिटल क्षेत्र में भी भारत ने असाधारण परिवर्तन देखा है। मोबाइल संचार, इंटरनेट, डिजिटल भुगतान और डिजिटल सार्वजनिक सेवाओं ने सामान्य नागरिक के जीवन को प्रभावित किया है। गांवों तक इंटरनेट और बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ी है। डिजिटल भुगतान ने आर्थिक लेन-देन की संस्कृति बदल दी है।

संक्षिप्त खबरें

रुपया दो पैसे मजबूत होकर 95.43 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई, यूटर्न/ 14 अगस्त । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.39 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 के स्तर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की मामूली बढ़त है। रुपया गुरुवार को 12 पैसे की गिरावट के साथ 95.45 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.78 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजार से विदेशी पूंजी की निकासी और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण रुपये पर दबाव बना रहा।

मुनाफावसूली से सोना 1,117 रुपए टूटा, चांदी भी 1,861 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 अगस्त । सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों में ठहराव आने से निवेशकों में सतर्कता बढ़ी, जिसके चलते कीमती धातुओं में मुनाफावसूली देखी गई। हालांकि, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना कमजोर बने रहने से आगे चलकर इन धातुओं के लिए सकारात्मक रुझान बरकरार रहने की उम्मीद है। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर, सोना 4,370 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव 4,420.40 डॉलर से 48.10 डॉलर की गिरावट दर्शाता है। चांदी भी 0.86 डॉलर की गिरावट के साथ 64.13 डॉलर प्रति औंस पर आ गई, जो पिछले बंद भाव 64.99 डॉलर था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सुबह से ही सुस्ती का माहौल रहा और दिनभर गिरावट जारी रही। घरेलू मार्केट एमसीएक्स पर भी यही रुख देखा गया। सोने का अक्टूबर वायदा अनुबंध 1,117 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,349 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,54,882 रुपये था। यह 266 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,200 रुपये पर खुला था। इसी प्रकार चांदी का सितंबर वायदा अनुबंध 1,861 रुपये की गिरावट के साथ 2,33,586 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,35,447 रुपये था। चांदी की शुरूआत 1,667 रुपये की गिरावट के साथ 2,33,780 रुपये पर हुई थी। दोनों धातुओं के वायदा भाव दिनभर दबाव में रहे, जिससे निवेशकों ने सतर्कता बरतते हुए मुनाफावसूली की। विशेषज्ञों का मानना है कि होर्मुज स्ट्रेट से जुड़ी भू-राजनीतिक अनिश्चितता ने अल्पकालिक मुनाफावसूली को बढ़ावा दिया है।

CAG: 54,282 करोड़ का मिसलीडा गायब, सरकार के पास जवाब भी 'पेंडिंग'

» चंडीगढ़, यूटर्न/ 14 अगस्त ।

ऐसा अक्सर नहीं होता कि किसी सरकार से यह पूछा जाए कि हजारों करोड़ का पब्लिक मनी कहाँ गया, बिना इस सवाल का मतलब निकाले कि पैसा गायब हो गया। लेकिन कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल की लेटेस्ट रिपोर्ट ने ठीक यही किया है – और केंद्र ने अब तक उठाए गए सवालों पर कोई डिटेल्ड पब्लिक जवाब नहीं दिया है। CAG ने 31 मार्च, 2025 तक 15 केंद्रीय मंत्रालयों और डिपार्टमेंट्स में 54,282.32 करोड़ के 33,973 पेंडिंग यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट्स को फ़्लैग किया है। यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट का मतलब यह साबित करना होता है कि सरकार द्वारा जारी किया गया पैसा असल में उसी मकसद के लिए इस्तेमाल किया गया था जिसके लिए इसे मंजूर किया गया था। इसका मतलब यह नहीं है कि 54,282 करोड़ चोरी

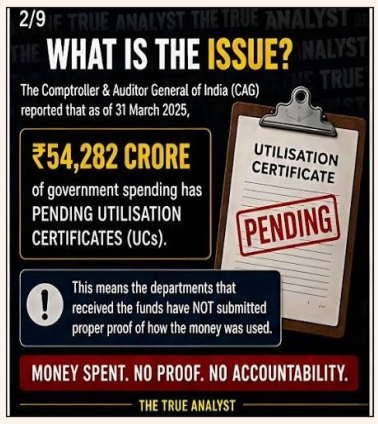

हो गए हैं। न ही CAG रिपोर्ट ऐसा कोई दावा करती है। लेकिन इसका मतलब यह है कि पैसे का इस्तेमाल कैसे किया गया, यह पता लगाने के लिए जरूरी तय पेपरवर्क गायब है। और यह कोई छोटी अकाउंटिंग डिटेल नहीं है, जब इसमें शामिल पैसा टैक्सपेयर्स का है। यह समस्या पूरी तरह से हाल की भी नहीं है। 33,973 बकाया सर्टिफिकेट में से 13,926 2021-22 और 2023-24 के बीच के तीन फाइनेंशियल ईयर के ग्रांट से जुड़े हैं, जिनमें 38,287.52 करोड़ शामिल हैं। लेकिन कुछ पेंडिंग सर्टिफिकेट 1985-86 के हैं। CAG का कहना है कि उन्हें न देना इन नियमों का उल्लंघन है।हाउसिंग और एजुकेशन में ज्यादातर पैसा है। ऑडिट में दो डिपार्टमेंट खास तौर पर सामने आए हैं।

मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स के पास लगभग 18,273 करोड़ के यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट बकाया हैं, जबकि डिपार्टमेंट ऑफ हायर एजुकेशन के पास और 14,360 करोड़ हैं। ये सरकारी खर्च के अनजान हिस्से नहीं हैं। हाउसिंग और एजुकेशन में ऐसे प्रोग्राम शामिल हैं जो लाखों नागरिकों पर असर डालते हैं और काफी पब्लिक रिसोर्स इस्तेमाल करते हैं।

CAG ने 12,754 करोड़ से ज्यादा के गलत क्लासिफाइड फंड को भी फ़्लैग किया है, जबकि लेवी में 9,222 करोड़ तय टाइमलाइन के अंदर तय रिजर्व फंड में ट्रांसफर नहीं किए गए। कुल मिलाकर, ये नतीजे सरकार की फाइनेंशियल रिपोर्टिंग की क्वालिटी पर एक बड़ा सवाल उठाते हैं।

असली मुद्दा सर्टिफि केट का गायब होना है। यहाँ एक जरूरी फर्क है। यूटिलाइजेशन सर्टिफि केट का गायब होना धोखाधड़ी का सबूत नहीं है। हो सकता है कि पैसा ठीक से खर्च किया गया हो, लेकिन डॉक्युमेंटेशन जमा नहीं किया गया हो, उनका मिलान नहीं किया गया हो या जरूरत के हिसाब से रिकॉर्ड नहीं किया गया हो। अगर उस चेन की आखिरी कड़ी गायब है, तो पार्लियामेंट-और आखिरकार टैक्सपेयर- से सरकार की बात मानने के लिए कहा जा रहा है।

क्या ओला अगली बायजूज बनने की राह पर है?

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 अगस्त ।

इस बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन इस सवाल को नजरअंदाज करना मुश्किल होता जा रहा है क्योंकि कंपनी अपनी महत्वाकांक्षी इलेक्ट्रिक व्हीकल ग्रोथ स्टोरी को लगातार मुनाफा कमाने वाले बिजनेस में बदलने के लिए संघर्ष कर रही है।

ओला के हालिया आंकड़े मिली-जुली तस्वीर पेश करते हैं। जून तिमाही में उसका नेट लॉस घटकर 336 करोड़ रह गया, जो एक साल पहले 428 करोड़ था। लेकिन ऑपरेशन्स से होने वाली कमाई (रेवेन्यू) में साल-दर-साल 45% की गिरावट आई, जो बिक्री पर लगातार बने दबाव को दिखाता है।

ऐसी कंपनी के लिए जिसकी वैल्यूएशन और पब्लिक इमेज भारत के टू-व्हीलर मार्केट में तेजी से बदलाव लाने के आधार पर बनी थी, घटती कमाई शायद कम होते नुकसान से ज्यादा चिंता की बात है। बायजू के साथ तुलना दोनों कंपनियों के एक जैसा होने के बारे में कम है और एक जाने-पहचाने सवाल के बारे में ज्यादा है: क्या होता है जब किसी स्टार्टअप की आकर्षक कहानी उसके असल आर्थिक आधार (इकोनॉमिक्स) से आगे निकल जाती है?

बायजू की जबरदस्त बढ़त के बाद भरोसे में गिरावट आई, क्योंकि उसकी वित्तीय समस्याओं, बढ़ते नुकसान और गवर्नेंस से जुड़े विवादों ने उसकी ग्रोथ स्टोरी को पीछे छोड़ दिया।

ओला अभी उस स्थिति में नहीं है। बायजू के उलट, उसके पास मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी, टेक्नोलॉजी, फिजिकल एसेट्स और बैटरी का एक ऐसा बिजनेस है जो भविष्य में बहुत कीमती साबित हो सकता है। यह ऐसे सेक्टर में भी काम करती है जिसे सरकारी पॉलिसी और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की तरफ भारत के बड़े प्रयासों का समर्थन हासिल है। ऐसे संकेत भी हैं कि ओला हालात सुधारने की कोशिश कर रही है। कंपनी का कहना है कि उसने ऑपरेटिंग खर्च कम किए हैं, ग्रॉस मार्जिन बेहतर किया है और कैश बर्न (नकद खर्च) में कटौती की है। उसके ऑटोमोटिव ग्रॉस मार्जिन में काफी सुधार हुआ है, साथ ही कंपनी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मार्केट में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

लेकिन वित्तीय स्थिति अभी भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। FY26 के लिए ओला का ऑपरेटिंग कैश फ्लो अभी भी नेगेटिव 775 करोड़ था, हालांकि यह FY25 में दर्ज नेगेटिव 2,391 करोड़ से काफी बेहतर था।

उसका सबसे बड़ा दांव शायद उसका बैटरी बिजनेस है। ओला बैटरी-सेल मैन्युफैक्चरिंग में भारी निवेश कर रही है, ताकि सिर्फ.स्कूटर बनाने वाली कंपनी बने रहने के बजाय एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड एश बिजनेस खड़ा कर सके।

सरकार ने एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल PLI स्कीम के तहत ओला की बैटरी-सेल मैन्युफैक्चरिंग की समय-सीमा में भी बदलाव किया है, जिससे कंपनी को 2031 तक 7,240 करोड़ तक का संभावित इंसेंटिव मिल सकता है।

यह एक बड़ा फायदा साबित हो सकता है – या फिर एक और महंगा दांव जो फायदा देने में सालों लगा देगा। स्टॉक मार्केट अभी भी शक में है। ओला के शेयरों पर भारी दबाव है क्योंकि इन्वेस्टर्स और एनालिस्ट्स ने बिक्री, मार्केट शेयर और कंपनी के मुनाफे में आने के रास्ते को लेकर चिंता जताई है।

चिप डिजाइन से लेकर स्वदेशी एआई मॉडल तक, भारत बना रहा मजबूत तकनीकी इकोसिस्टम: सरकार

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 अगस्त ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेमीकंडक्टर तकनीक के तेजी से विकसित होते दौर में भारत अपनी घरेलू क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, देश सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन के हर महत्वपूर्ण हिस्से में क्षमता विकसित कर रहा है, जिसमें चिप डिजाइन, वेफर फैब्रिकेशन, एडवांस्ड पैकेजिंग, उपकरण निर्माण और कच्ची सामग्री शामिल हैं। अब तक भारत में विभिन्न तकनीकी नोड्स पर सात चिप्स का सफल निर्माण किया जा चुका है, जिनमें 12 नैनोमीटर जैसे उन्नत नोड्स भी शामिल हैं। सरकार के अनुसार, भारत ने छह राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें कुल निवेश प्रतिबद्धता 1.64 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। इन परियोजनाओं में सिलिकॉन और कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब, डिस्प्ले निर्माण इकाइयां और एडवांस्ड पैकेजिंग सुविधाएं शामिल हैं। इनमें से तीन इकाइयों ने व्यावसायिक उत्पादन भी शुरू कर दिया है.

जुलाई में थोक महंगाई दर में आई हल्की कमी, डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति 9.78 प्रतिशत रहा

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 14 अगस्त

सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 को आधार वर्ष मानते हुए, भारत की थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर जुलाई 2026 में मामूली नरमी के साथ 9.78 प्रतिशत रही, जो कि इससे पिछले महीने जून में 9.87 प्रतिशत दर्ज की गई थी। यानी थोक महंगाई दर में हल्की कमी आई है, लेकिन यह अब भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि जुलाई में सभी वस्तुओं का थोक मूल्य सूचकांक 110.0 रहा, जबकि जून 2026 में यह 110.2 था। हालांकि समग्र सूचकांक में मामूली कमी

देखने को मिली, लेकिन कई प्रमुख श्रेणियों में कीमतों का दबाव बना रहा।

जुलाई के दौरान प्राथमिक वस्तुओं में महंगाई दर 8.52 प्रतिशत दर्ज की गई, जो जून में 7.00 प्रतिशत थी। इसी तरह विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर बढ़कर 8.29 प्रतिशत हो गई, जबकि जून में यह 7.48 प्रतिशत थी। दूसरी ओर ईंधन एवं ऊर्जा श्रेणी में महंगाई दर जून के 27.41 प्रतिशत से घटकर 20.05 प्रतिशत पर आ गई, लेकिन यह अभी भी काफी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है।

जुलाई में प्राथमिक वस्तुओं का सूचकांक 117.2, ईंधन एवं ऊर्जा का 105.4 और विनिर्मित उत्पादों का 108.4 दर्ज किया गया। जून में ये क्रमशः 116.1, 111.1 और 107.8 थे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में थोक महंगाई बढ़ाने वाले प्रमुख कारकों में खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पाद), खाद्य वस्तुएं, बेसिक मेटल्स, गैर-खाद्य प्राथमिक उत्पाद, खाद्य उत्पादों का विनिर्माण तथा रसायन एवं रासायनिक उत्पाद शामिल रहे। इन क्षेत्रों में कीमतों में बढ़ोतरी का प्रभाव कुल थोक महंगाई पर दिखाई दिया।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का मुनाफा 80 फीसदी गिरा

मुंबई, यूटर्न/ 14 अगस्त । टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारी झटका लगा है। कंपनी का मुनाफा 80 फीसदी से ज्यादा घटकर 775 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 3,924 करोड़ रुपए था। यह भारी गिरावट स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति में बाधाओं और प्रीमियम ब्रांड जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) के कमजोर प्रदर्शन के कारण हुई है। अप्रैल-जून तिमाही में टाटा मोटर्स का मुनाफा 3,924 करोड़ रुपए से घटकर महज 775 करोड़ रुपए रह गया, यानी 80 फीसदी से अधिक की गिरावट। कंपनी के लिए यह झटका स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति में रुकावटों, एक बड़े कंपोनेंट सप्लायर के यहां लगी आग और मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष जैसी कई चुनौतियों के कारण लगा। इसके अतिरिक्त, कुछ जगुआर मॉडल्स का उत्पादन बंद होने से भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा। हालांकि, इस अवधि में कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 9 फीसदी बढ़कर 95,799 करोड़ रुपए रहा। मुनाफे में गिरावट के बावजूद रेवेन्यू में वृद्धि बताती है कि कंपनी के प्रोडक्ट्स की मांग बनी हुई है, लेकिन परिचालन संबंधी चुनौतियां हावी रहीं। कंपनी का एबिटा मार्जिन 130 बेसिस पॉइंट्स घटकर 7.4 फीसदी पर आ गया, साथ ही 32 करोड़ रुपए का एक्सेप्शनल लॉस भी दर्ज किया गया। प्रीमियम सब्सिडियरी जगुआर लैंड रोवर का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। जेएलआर का मुनाफा 73 फीसदी गिरकर 66 बिलियन डॉलर पर आ गया।

लूट के मामले में आरोपी को पहचानने से किया इन्कार

फरीदाबाद, यूटर्न/ 14 अगस्त । लूट के मामले में तरुण को बरी करते हुए अदालत ने बरामदगी से जुड़े साक्ष्यों पर गंभीर सवाल उठाए। अदालत में पीड़ित देवी सिंह ने तरुण को पहचानने से इन्कार करते हुए कहा कि वह उन लोगों में शामिल नहीं था, जिन्होंने उसके साथ मारपीट कर बाइक, मोबाइल और नकदी छीनी थी। वहीं, पुलिस द्वारा आरोपी से बरामद बताई गई पिस्तौल जांच में डमी निकली, जिससे गोली नहीं चलाई जा सकती थी। बिना नंबर प्लेट बरामद बाइक को लेकर भी अदालत ने पुलिस की कार्रवाई को संदिग्ध माना है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुधीर जीवन की अदालत ने तरुण को बरी किया। मामला 17 अगस्त 2022 की रात फफूंदा गांव के सूरी भट्ठा के पास का था। अभियोजन के अनुसार देवी सिंह को तीन युवकों ने घेरकर तमंचे के बट से सिर पर वार किया और उसकी बाइक, मोबाइल व 1250 रुपये छीन लिए थे। पुलिस ने 18 अगस्त 2022 को गुप्त सूचना के आधार पर तरुण को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान उसकी निशानदेही पर बिना नंबर प्लेट की बाइक बरामद करने का दावा किया गया।

पड़ोसी ने फावड़े से महिला के सिर पर किया हमला, पत्नी ने भी पीटा

फरीदाबाद, यूटर्न/ 14 अगस्त । विजय नगर गांव टिकावली में घर के सामने स्कूटी खड़ी करने और कूड़ा डालने का विरोध करने पर पड़ोसी ने महिला के सिर पर फावड़े से हमला कर दिया। आरोप है कि इसके बाद पड़ोसी की पत्नी ने भी महिला के साथ मारपीट की। हमले में घायल रिंकी राय के सिर समेत शरीर पर चार चोटें मिली हैं। रिंकी राय ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 10 अगस्त को वह घर पर अकेली थी। इसी दौरान सामने रहने वाले राजकुमार ने उसके मकान के सामने अपनी स्कूटी खड़ी कर दी, जिससे घर में आने-जाने का रास्ता रुक गया। आरोप है कि राजकुमार की पत्नी नीतू खेरा ने भी घर के सामने कूड़ा डाल दिया। रिंकी ने दोनों को ऐसा करने से मना किया तो विवाद हो गया। रिंकी का आरोप है कि राजकुमार ने फावड़ा उठाकर उसके सिर और शरीर पर वार किए। इसके बाद उसने उसके हाथ से डंडा छीनकर भी मारपीट की है। आरोप है कि नीतू खेरा ने भी उसके साथ मारपीट की है। दोनों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद रिंकी ने थाना भूपानी पहुंचकर शिकायत दी। पुलिस ने उसका बीके अस्पताल में मेडिकल कराया। 10 अगस्त की मेडिकल रिपोर्ट में सिर के ऊपरी और पीछे के हिस्से में फटे हुए घाव, पीठ, कूल्हे और शरीर के अन्य हिस्सों में खरोंच के निशान बताए गए।

4.75 लाख रुपये के 30 गुम मोबाइल बरामद, मालिकों को लौटाए

फरीदाबाद, यूटर्न/ 14 अगस्त । पुलिस की सेंट्रल जोन साइबर सेल ने जुलाई में जिले से गुम हुए 30 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को लौटा दिए। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत 4.75 लाख रुपये से अधिक बताई गई है। पुलिस उपायुक्त सेंट्रल उषा के मार्गदर्शन में साइबर सेल प्रभारी मुख्य सिपाही राकेश कुमार, सिपाही कपिल और योगेश की टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस प्रवक्ता यशपाल के अनुसार टीम ने भारत सरकार के सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल, अन्य राज्यों की पुलिस से समन्वय और तकनीकी संसाधनों की मदद से मोबाइलों को ट्रैक कर बरामद किया। 13 अगस्त को पुलिस उपायुक्त ने सभी मोबाइल उनके मालिकों को सौंपे।

पैनल अधिवक्ताओं व पीएलवी की बैठक में कानूनी जागरूकता बढ़ाने पर जोर

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 14 अगस्त । जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएलएसए) के पैनल अधिवक्ताओं और पैरा लीगल वालंटियर्स की बैठक शुक्रवार को जिला बार एसोसिएशन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डीएलएसए की मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-सह-सचिव सुश्री वर्षा शर्मा ने की। बैठक में पैनल अधिवक्ताओं और पीएलवी की चल रही गतिविधियों एवं कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान पैनल अधिवक्ताओं और पीएलवी को निर्देश दिए गए कि वे पॉक्सो एक्ट, 2012 एवं पॉश एक्ट के संबंध में जागरूकता फैलाने के लिए सक्रिय रूप से भाग लें।

इसके साथ ही संबंधित सरकारी विभागों के समन्वय से मासिक अभियान 'स्वस्थ बच्चा, मजबूत राष्ट्र-कुपोषण का उन्मूलन' को लागू करने के लिए भी निर्देशित किया गया। डीएलएसए सचिव ने नियमित कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने, कानूनी सहायता शिविर लगाने, गतिविधियों की रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत करने, पेशेवर आचरण बनाए रखने तथा विभिन्न नालसा/हालसा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। प्रतिभागियों को 'वन्यजीव-मानव संघर्ष (एचडब्ल्यूसी), 2025 के पीड़ितों के लिए न्याय तक पहुंच' तथा जागृति योजना, 2025 के तहत 'सशक्त युवा, सशक्त भारत' के संबंध में भी संवेदनशील बनाया गया।

पनीर में कपड़े का वाइटनर ! रोज 400 किलो तक सप्लाई का खुलासा

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 14 अगस्त ।

बाजार से रुपये बचाने के चक्कर में सस्ता पनीर खरीदना अब आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है। गाजियाबाद जिले के भोजपुर थाना क्षेत्र के नाहली गांव में पनीर तैयार करने वाली तीन फैक्टरियों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी में बड़े पैमाने पर मिलावट का खुलासा हुआ है।

यहां पनीर को सफेद और ज्यादा वजनदार बनाने के लिए कपड़े धोने में इस्तेमाल होने वाला वाइटनर, पामोलीन ऑयल, दूध पाउडर और कई हानिकारक केमिकल मिलाए जा रहे थे। खाद्य विभाग की टीम ने बुधवार रात कार्रवाई करते हुए तीनों फैक्टरियों से 868 किलो पनीर और 170 किलो खोया मौके पर ही नष्ट कराया। साथ ही वहां से विभिन्न केमिकल समेत 20 नमूने जांच के लिए लखनऊ लैब भेजे गए हैं।

सहायक आयुक्त खाद्य-2 सुरेश कुमार मिश्रा ने बताया कि लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने के मामले में नाहली निवासी फैक्टरी संचालकों कलवा, सकील और कफील के खिलाफ भोजपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। आरोपियों पर बीएनएस की धारा 123 (जहरीला या विषैला पदार्थ देना), 275 (हानिकारक भोजन की बिक्री) समेत अन्य

गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। लखनऊ से नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस भी मामले की जांच कर रही है।

सामान्य जांच में पकड़ना मुश्किल

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशुतोष राय ने बताया कि जिन तीन फैक्टरियों पर कार्रवाई की गई है, वहां पनीर तैयार करने में प्रयोग होने वाले कुछ केमिकल आरोपी खुद ही तैयार कर रहे थे। इसमें शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले कई रसायन मिलाए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि इन केमिकल के प्रयोग के बाद सामान्य घरेलू तरीकों से नकली पनीर को पहचानना भी मुश्किल हो जाता है। दिखने और स्वाद में यह असली पनीर जैसा ही लगता है।

पूछताछ में सामने आया कि तीनों फैक्टरियों से हर दिन करीब 300 से 400 किलो पनीर त्योहारों के सीजन में तैयार कर बाजार में भेजा जा रहा था। आरोपी गाजियाबाद के साथ दिल्ली, फरीदाबाद, गुरुग्राम, बुलंदशहर, गौतमबुद्धनगर और हापुड़ में केमिकल से तैयार पनीर की सप्लाई कर रहे थे।

यह पनीर बाजार में लोगों को 200 से 250 रुपये प्रति किलो में मिल जाता था। सस्ता होने के चलते दुकानदार और आम लोग इसे खरीद लेते थे। खाद्य विभाग का कहना है कि आने वाले त्योहारों को देखते हुए नकली पनीर की मांग बढ़ने पर इन्होंने उत्पादन भी बढ़ा दिया था।

मस्तिष्क, यकृत, गुर्दे पर पड़ेगा असर

एमएमजी अस्पताल के वरिष्ठ निश्चेतक डॉ. चरन सिंह का कहना है कि वाइटनर या फ्लूड से निकलने वाली वाष्प और रसायन शरीर के लिए बेहद खतरनाक हैं। ये सांस के जरिए शरीर में प्रवेश कर फेफड़ों के माध्यम से तेजी से रक्तप्रवाह में पहुंचते हैं और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करते हैं।

इसके लंबे समय तक सेवन से चक्कर आना, समन्वय में कमी, बेहोशी, लीवर और किडनी फेल जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

रेहड़ी लगाने को लेकर मारपीट मामले में चार गिरफ्तार

» गुरुग्राम, यूटर्न/ 14 अगस्त ।

डीएलएफ सेक्टर-29 थाना इलाके में रेहड़ी लगाने को लेकर हुई कहासुनी और मारपीट करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें संभल (यूपी) के मूल निवासी सुखराम, भूरा, मुनेश और कल्याण उर्फ कालू शामिल हैं। मामला बीती 6 अगस्त का है और 12 अगस्त को प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

पुलिस से शिकायतकर्ता ने बताया था कि वह मोची है। 6 अगस्त को वह अपना काम कर रहा था। इसी दौरान कुछ लोगों के साथ कहासुनी हो गई। इसके बाद उन्होंने उनके लड़के को रोक लिया। झगड़े का कारण पूछा तो उन लोगों ने शिकायतकर्ता के साथ डंडों से मारपीट की। जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत पर डीएलएफ सैक्टर-29 थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई।

आरोपी रेहड़ी लगाते हैं। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि मामले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए शिकायतकर्ता पक्ष के भी 2 आरोपियों अंशु व गोविंदा के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 126/170 के तहत कार्रवाई की गई है। दोनों हाथरस के मूल निवासी हैं और अब प्रेम नगर झुग्गी में रहते हैं।

यमुना नदी का पानी खतरे के निशान के पास पहुंचा, निगरानी शुरू

» लोनी, यूटर्न/ 14 अगस्त ।

- हथिनी कुंड से 51177 क्यूसेक पानी छोड़ने पर बृहस्पतिवार को यमुना नदी का जलस्तर 209 .50 मीटर देखा गया।

हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद लोनी में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान के पास पहुंच गया है। इससे लोनी डूब क्षेत्र में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन की टीम ने लोनी के अलग-अलग इलाकों में निरीक्षण करके लोगों को अलर्ट कर दिया और सुरक्षा बढ़ानी भी शुरू कर दी है। हथिनी कुंड से 51177 क्यूसेक पानी छोड़ने पर बृहस्पतिवार को यमुना नदी का जलस्तर 209.50 मीटर देखा गया। जबकि खतरे का निशान 209 मीटर है। पानी खतरे के निशान तक पहुंचने पर लोनी के एसडीएम दीपक सिंघवाल ने अलीपुर पुश्ते की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राजस्व टीम टीम को अलर्ट कर दिया है। साथ ही संभावित बाढ़क्षेत्र में निरीक्षण करते हुए यमुना किनारे बसे गांवों के निवासियों को भी अलर्ट करने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम ने बताया कि अभी हालात ठीक हैं, लेकिन पानी लगातार छोड़ा गया तो दिक्कत हो सकती है। इसलिए प्रशासन पहले से सर्तक है और तैयारी में जुट गया है। बता दें कि 1978 में आई बाढ़ में यमुना नदी का जल स्तर 211.100 था। 2023 में आई बाढ़ में यमुना नदी का जल स्तर 212.150 था। 2023 में आई बाढ़ के कारण पानी से सुभानपुर के पास अलीपुर पुश्ता टूट गया था। इस कारण लोनी के बदरपुर, अलीपुर, डूंगरपुर, पचायरा, मीरपुर हिंदू, नवादा, सुभानपुर, नौरसपुर, इलाइचीपुर, खानपुर जप्ती, राम पार्क एक्सटेंशन और ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र में बाढ़ आई थी। लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा था।

मकान का हिस्सा गिरने से महिला समेत तीन घायल हुए, अस्पताल में भर्ती

» लोनी, यूटर्न/ 14 अगस्त ।

- पुलिस ने बताया कि वीरेंद्र कुमार निवासी राहुल गार्डन कॉलोनी ने तीन माह पहले मकान के प्रथम मंजिल का कमरा धमेंद्र को किराए पर दिया था। धर्मेंद्र परिवार के साथ रहते हैं।

बॉर्डर थानाक्षेत्र के राहुल गार्डन कॉलोनी स्थित मकान का अगला हिस्सा गिरने से मलबे में महिला समेत तीन लोग दब गए। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि उपचार के बाद तीनों को छुट्टी मिल गई है। पुलिस ने बताया कि वीरेंद्र कुमार निवासी राहुल गार्डन कॉलोनी ने तीन माह पहले मकान के प्रथम मंजिल का कमरा धमेंद्र को किराए पर दिया था। धर्मेंद्र परिवार के साथ रहते हैं। बृहस्पतिवार सुबह करीब सात बजे मकान का अगला हिस्सा भरभरा कर गिर गया। गनीमत रही कि कमरों में कोई मौजूद नहीं था। मकान का मलबा पहली मंजिल की चौखट पर बैठी धमेंद्र की सास तीतरी देवी व पत्नी सुधा और भूतल पर चौक में चाय पी रही उनकी बेटी शिवानी पर आकर गिरा। इससे तीनों चोटिल हो गईं। शोर सुनकर वह और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। तीनों को जीटीबी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि जांच में मकान के अगले हिस्से में दरार होने व जर्जर होने की बात सामने आई है। पीड़ित के शिकायत देने पर मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग को बंधक बनाकर देह व्यापार कराने और ब्लैकमेलिंग का आरोप

» फरीदाबाद, यूटर्न/ 14 अगस्त ।

धौज थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने, नशीली दवाइयां खिलाकर दरिंदगी कराने और अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की लिखित शिकायत पर धौज थाना पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित उसके सहयोगियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की गंभीर

धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

पीड़िता की मां द्वारा दी गई शिकायत के अनुसार, मुख्य आरोपी तारीफ ने नाबालिग को पहले मोबाइल फोन देकर अपनी बातों में फंसाया। इसके बाद आरोपी अपने साथियों (फिरोज, बब्बर, सौरभ, साबिर आदि) के साथ गाड़ी में नाबालिग को जबरन ले गया और उसके साथ गलत काम कर अश्लील वीडियो बना ली। वीडियो वायरल करने और जान से मारने की धमकी देकर आरोपी उसे नूंह, सोहना और किशनगढ़ के होटलों में घुमाता रहा और नशीली गोलियां खिलाकर लोगों से गलत काम करवाता रहा।

इस दौरान आरोपी के भाई आरिफ और अन्य सहयोगियों पर भी प्रताड़ित करने के आरोप लगे हैं। शिकायतकर्ता ने स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। आरोप है कि जब 12 जुलाई को लड़की मिली, तो परिजनों को उससे मिलने नहीं दिया गया और बीके अस्पताल में बिना कुछ बताए कागजों पर दस्तखत/अंगूठा लगवा लिया गया।

कमलप्रीत का किरदार निभाना मेरे लिए बड़ी बात: दीया मिर्जा

हाल ही में रिलीज वेब सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर में अभिनेत्री दीया मिर्जा ने पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ (बीएस धनोआ) की पत्नी कमलप्रीत कौर धनोआ का किरदार निभाया है। इस रोल में देखकर दीया मिर्जा की हर तरफ सराहना हो रही है। सोशल मीडिया के माध्यम से हाल ही में अभिनेत्री ने सीरीज का हिस्सा बनकर अपनी भावनाओं को साझा किया और पूरी टीम के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। दीया मिर्जा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वे सह-अभिनेता जिमी शेरगिल समेत सीरीज से जुड़े कई महत्वपूर्ण लोगों के साथ नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए बताया कि इस महत्वपूर्ण सीरीज का हिस्सा होना उनके लिए कितना मायने रखता है, जिसके लिए उन्होंने सभी का दिल से आभार जताया। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में लिखा, एक कलाकार के तौर पर हम जो किरदार चुनते हैं, वह सिर्फ हमारी पसंद नहीं होती, बल्कि कभी-कभी किरदार हमें चुनता है, जिससे हम एक बेहतर इंसान बनते हैं। ऑपरेशन सफेद सागर में कमलप्रीत धनोआ का किरदार निभाना मेरे लिए एक बहुत बड़ी बात है कि मुझे ऐसा सशक्त किरदार निभाने का अवसर मिला। उन्होंने कमलप्रीत मैम का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि वे हमेशा उनके दिल में रहेंगी। अपने सह-कलाकार जिमी शेरगिल की तारीफ करते हुए दीया ने लिखा, टोनी सर, आप कमाल हैं। जिमी शेरगिल सर, आपके साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। टोनी धनोआ (पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ का घर का नाम) के रोल के लिए आपसे बेहतर कोई नहीं हो सकता। 6 एपिसोड की यह हिंदी वॉर-ड्रामा वेब सीरीज भारतीय वायुसेना के ऐतिहासिक और साहसी ऑपरेशन सफेद सागर पर आधारित है, जो 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान हुआ था। सीरीज में जिमी शेरगिल ने दीया मिर्जा के पति पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ (बीएस धनोआ) का प्रभावशाली किरदार निभाया है।

दीया मिर्जा ने कमलप्रीत कौर धनोआ का किरदार निभाने के जरिए उन असंख्य महिलाओं के अनकहे बलिदानों और अटूट ताकत को पर्दे पर उतारा है, जो मुस्कुराकर अपने पतियों को देश की रक्षा के लिए युद्ध के मैदान में भेजती हैं और हर पल उनके सुरक्षित होने की उम्मीद करती हैं।

सुनील शेट्टी की 30 से ज्यादा फिल्में नहीं हो सकी रीलिज

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। सुनील शेट्टी का जन्म 11 अगस्त 1961 को कर्नाटक के मैंगलोर के पास मुल्की में हुआ था। कम ही लोग जानते होंगे कि सुनील शेट्टी बॉलीवुड के ऐसे हीरो है जिनकी 30 से ज्यादा फिल्में कभी रीलिज नहीं हो सकी। उन्होंने साल 1992 में फिल्म बलवान से बॉलीवुड में डेब्यू किया, जिसमें उनके साथ दिव्या भारती थीं। हालांकि, बलवान से पहले वह आरजू फिल्म में काम करने वाले थे, लेकिन वह प्रोजेक्ट कभी रिलीज नहीं हो सका। यह उनके अनरिलीज्ड फिल्मों की लिस्ट की पहली कड़ी थी। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इन अनरिलीज्ड फिल्मों की कास्ट काफी बड़ी थी और इसमें कई जाने-माने सितारे शामिल थे। सुनील शेट्टी एक और फौलाद और दो कदम आगे में दिव्या भारती के साथ नजर आने वाले थे। जाहिल में उनकी जोड़ी रवीना टंडन के साथ बनने वाली थी, जबकि द बॉडीगार्ड में श्रीदेवी, आयुध में सोनाली बेंद्रे और हम हैं आग में सोमी अली के साथ उनका नाम जुड़ा था।

मलाइका अरोड़ा फिर सुर्खियों में

बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन मलाइका अरोड़ा एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। अरबाज खान से तलाक और अर्जुन कपूर से रिश्ते खत्म होने के बाद अब उनका नाम डायमंड कारोबारी हर्ष मेहता के साथ जोड़ा जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हर्ष मेहता मलाइका से करीब 19 साल छोटे हैं, जिसके चलते उनकी खुद से कम उम्र के पार्टनर को लेकर चचाएं तेज हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट सीनियर एंटरटेनमेंट मलाइका की डेटिंग लाइफ हुए कहा कि किसी महिला अपने से कम उम्र के पुरुष को डेट करना बिल्कुल है, लेकिन जब पुरुष खुद कम उम्र की महिलाओं के हैं तो उम्र के अंतर पर उतनी जर्नलिस्ट ने बताया कि आत्मनिर्भर और आर्थिक संभव है कि उम्रदराज पुरुष साथ सहज महसूस न करें,

क्योंकि कई पुरुष अपने से ज्यादा सफल या लोकप्रिय रिश्ते में आने को लेकर असहज अहंकार भी एक बड़ी वजह अरोड़ा ने अभी तक अपनी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, और उनकी पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातें सिर्फ मीडिया रिपोर्ट्स और चचाओं पर आधारित हैं।

बवाल के बाद प्रीति जिंटा ने दी अपने बयान पर सफाई

अपनी आगामी फिल्म बंटवारा 1947 के साथ आठ साल बाद बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में फिल्म में अपने किरदार को लेकर दिए गए एक बयान पर बवाल मचने के बाद सफाई पेश की है। अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी बातों को गलत संदर्भ में पेश किया गया था और उन्होंने दर्शकों से फिल्म देखने के बाद ही महिलाओं के चित्रण को लेकर कोई राय बनाने की अपील की है। दरअसल, प्रीति ने एक साक्षात्कार में बंटवारा 1947 में अपने किरदार के दैनिक कार्यों जैसे खाना बनाना, सफाई करना और सिलाई-कढ़ाई करने के बारे में बात की थी। उन्होंने निर्देशक राजकुमार संतोषी के साथ अपनी बातचीत का जो ब्योरा दिया, उसके बाद सोशल मीडिया पर एक बड़ी बहस छिड़ गई थी। कई लोगों ने इसे रूढ़िवादी चित्रण बताया था। इसी बीच, एक ऑनलाइन पोर्टल ने एक ओपिनियन पीस प्रकाशित किया, जिसका शीर्षक था प्रिय राजकुमार संतोषी, 1947 से पहले की भारतीय महिलाएं सिर्फ पत्नियां, मांएं या विद्रोही नहीं थीं। इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए प्रीति जिंटा ने लिखा कि उनकी शूटिंग के अनुभव पर यह राय पूरी तरह से गलत संदर्भ में ली गई है।

स्पेन के हर्नांडेज बने नीदलैंड फुटबॉल टीम के नये कोच

» एम्सटर्डम, यूटर्न/ 14 अगस्त

नीदरलैंड फुटबॉल संघ ने रोनाल्ड कोमैन की जगह स्पेन के पूर्व फुटबॉलर जावी हर्नांडेज को अपनी फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच बनाया है। हर्नांडेज डच टीम के कोच बनाये गये पहले विदेशी हैं। इसलिए यह नियुक्ति बेहद अहम मानी जा रही है। वह साल 2030 अनुबंध फीफा विश्व कप तक डच टीम के कोच बने रहेंगे। कोच बनाये जाने से उत्साहित हर्नांडेज ने खुशी जताते हुए कहा, , नीदरलैंड की नेशनल टीम का मुख्य कोच बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। उन्होंने अपने करियर के दैरान डच फुटबॉल के साथ अपने गहरे संबंध के बारे में भी बताया। नये कोच ने कहाकि एफसी बार्सिलोना एकेडमी में रहने और जोहान क्रूफ तथा रिनस मिशेल्स जैसे डच दिग्गजों से मिली सीख के कारण, वह डच फुटबॉल से एक विशेष संबंध महसूस करते हैं। उन्होंने यहां तक कहा, आप कह सकते हैं कि मैं एक तरह से डच फुटबॉल का ही एक बेटा हूं। उन्होंने लुइस वैन गाल, जिनके नेतृत्व में उन्होंने बार्सिलोना में अपना डेब्यू किया, और फ्रैंक रिजकार्ड जैसे अन्य महान कोचों को भी याद किय, जिन्होंने उन्हें एक खिलाड़ी और एक कोच, दोनों के तौर पर बेहतर बनाया। जावी ने अपनी टीम के लिए अपनी योजनाओं का भी खुलासा किया, जिसमें स्थानीय ज्ञान को शामिल करने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा, हमारा इरादा एक ऐसा कोचिंग स्टाफ बनाने का है जिसमें डच लोग भी शामिल हो।

फोटो स्टोरी

बर्मिंघम में ब्रिटेन की एमी हंट 200 मीटर की दौड़ में जीत के बाद उत्साहित होती हुई।

let the tricolor immerse you into

STRENGTH
PEACE
GROWTH

#Happy Independence Day

Rajesh Soni
LAJJYA STEELS LTD.

Rajnish Garg
INVASSET

Akhil Malhotra
SHIVA TEX FABS LTD.

N.D. Garg
GARG INDUSTRIES LTD

Tony Mahajan
mahajan GROUP OF INDUSTRIES

Sandeep Jain
LSR FORGE PVT. LTD.

HS Bawa (Minku)
SKY REGIS FARMS

Sandeep Gupta
SANGAM STEELS

Naresh Kumar
PAVITER METALS PVT. LTD.

Mohinder Goyal
AFFINITY GROUP

Vipan Mittal
KUDU
Knit Process (P) Ltd

Balwinder Singh Pumpal
AMB REALTORS

SS Khurana
Ansal Estatz
Ansal Wealth

An initiative by **U-TURN TIME MARKETING TEAM: 99882-20063**

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *